MAY, 1786. THE NUMB. 2922.

# PENNSYLVANIA GAZETTE.

WEDNESDAY, MAY 31, 1786.

## LIST of PRIZES in the SECOND CLASS of the *Pennsylvania* STATE LOTTERY.

### PRIZES OF TWELVE DOLLARS EACH.

| No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 486 | 892 | 1331 | 1727 | 2155 | 2595 | 3020 | 3473 | 3794 | 4233 | 4688 | 5113 | 5512 | 5880 | 6314 | 6751 | 7153 | 7529 | 7924 | 8324 | 8795 | 9238 | 9621 |
| 4 | 88 | 93 | 39 | 33 | 56 | 99 | 29 | 76 | 98 | 35 | 90 | 15 | 15 | 82 | 16 | 52 | 55 | 30 | 26 | 27 | 811 | 39 | 24 |
| 6 | 500 | 903 | 42 | 34 | 59 | 604 | 37 | 79 | 805 | 38 | 91 | 18 | 17 | 88 | 17 | 53 | 58 | 37 | 29 | 38 | 19 | 45 | 35 |
| 9 | 9 | 7 | 53 | 37 | 63 | 7 | 39 | 84 | 9 | 39 | 93 | 20 | 23 | 89 | 21 | 62 | 60 | 40 | 45 | 43 | 23 | 46 | 36 |
| 11 | 10 | 8 | 57 | 38 | 67 | 9 | 40 | 87 | 10 | 45 | 94 | 27 | 24 | 97 | 26 | 65 | 62 | 41 | 46 | 44 | 31 | 48 | 41 |
| 13 | 11 | 9 | 63 | 42 | 71 | 14 | 47 | 90 | 14 | 50 | 96 | 39 | 27 | 901 | 28 | 67 | 71 | 48 | 50 | 49 | 37 | 50 | 42 |
| 25 | 12 | 11 | 69 | 43 | 72 | 15 | 48 | 96 | 16 | 51 | 701 | 40 | 29 | 6 | 31 | 68 | 72 | 56 | 56 | 57 | 41 | 51 | 45 |
| 33 | 13 | 19 | 74 | 45 | 73 | 17 | 66 | 502 | 19 | 53 | 2 | 49 | 34 | 10 | 36 | 83 | 73 | 59 | 58 | 60 | 42 | 58 | 46 |
| 37 | 14 | 21 | 75 | 46 | 86 | 18 | 68 | 6 | 33 | 57 | 7 | 52 | 35 | 14 | 38 | 86 | 79 | 64 | 60 | 65 | 46 | 63 | 47 |
| 39 | 26 | 50 | 80 | 55 | 205 | 20 | 75 | 8 | 34 | 63 | 9 | 53 | 38 | 21 | 40 | 88 | 82 | 65 | 61 | 75 | 48 | 68 | 57 |
| 42 | 30 | 53 | 82 | 57 | 6 | 32 | 82 | 9 | 36 | 64 | 20 | 54 | 43 | 29 | 42 | 90 | 89 | 77 | 63 | 76 | 53 | 71 | 63 |
| 43 | 33 | 56 | 86 | 59 | 9 | 33 | 86 | 16 | 54 | 71 | 25 | 60 | 44 | 30 | 47 | 91 | 90 | 79 | 67 | 80 | 57 | 73 | 73 |
| 52 | 37 | 59 | 87 | 64 | 12 | 40 | 89 | 17 | 56 | 79 | 26 | 63 | 48 | 32 | 67 | 97 | 97 | 86 | 78 | 90 | 60 | 75 | 76 |
| 57 | 42 | 60 | 88 | 65 | 14 | 48 | 90 | 18 | 59 | 81 | 32 | 64 | 49 | 33 | 77 | 801 | 99 | 87 | 81 | 92 | 66 | 76 | 80 |
| 59 | 43 | 64 | 89 | 73 | 15 | 49 | 97 | 19 | 61 | 86 | 34 | 65 | 80 | 34 | 86 | 12 | 210 | 90 | 82 | 96 | 67 | 77 | 82 |
| 61 | 45 | 66 | 96 | 74 | 27 | 57 | 101 | 21 | 73 | 96 | 37 | 66 | 83 | 43 | 81 | 13 | 12 | 92 | 92 | 401 | 69 | 78 | 84 |
| 69 | 47 | 74 | 405 | 78 | 29 | 63 | 5 | 23 | 79 | 98 | 38 | 71 | 84 | 44 | 92 | 14 | 13 | 93 | 8000 | 5 | 70 | 81 | 90 |
| 79 | 51 | 77 | 7 | 87 | 39 | 64 | 11 | 24 | 900 | 301 | 40 | 72 | 89 | 47 | 94 | 17 | 15 | 99 | 2 | 16 | 77 | 85 | 92 |
| 84 | 54 | 87 | 9 | 93 | 49 | 80 | 23 | 28 | 3 | 2 | 41 | 91 | 90 | 50 | 95 | 23 | 17 | 605 | 4 | 21 | 81 | 86 | 93 |
| 86 | 64 | 88 | 11 | 95 | 50 | 94 | 25 | 30 | 4 | 4 | 43 | 98 | 92 | 52 | 97 | 27 | 18 | 7 | 12 | 25 | 84 | 302 | 708 |
| 87 | 70 | 89 | 16 | 97 | 58 | 702 | 29 | 32 | 6 | 5 | 44 | 201 | 93 | 59 | 98 | 28 | 21 | 10 | 13 | 30 | 87 | 4 | 12 |
| 90 | 71 | 91 | 24 | 805 | 62 | 4 | 32 | 41 | 9 | 16 | 61 | 3 | 94 | 60 | 99 | 30 | 26 | 16 | 14 | 31 | 88 | 6 | 13 |
| 91 | 74 | 93 | 26 | 7 | 64 | 6 | 43 | 43 | 10 | 19 | 65 | 4 | 98 | 66 | 400 | 31 | 28 | 20 | 17 | 32 | 92 | 7 | 14 |
| 96 | 75 | 1000 | 48 | 8 | 70 | 13 | 45 | 45 | 14 | 34 | 66 | 7 | 607 | 68 | 4 | 33 | 29 | 21 | 19 | 37 | 93 | 13 | 16 |
| 114 | 84 | 1 | 51 | 13 | 72 | 23 | 47 | 48 | 18 | 41 | 67 | 9 | 11 | 71 | 5 | 36 | 34 | 23 | 21 | 39 | 95 | 18 | 17 |
| 16 | 85 | 14 | 58 | 17 | 74 | 24 | 48 | 49 | 21 | 42 | 68 | 14 | 13 | 72 | 12 | 38 | 35 | 24 | 23 | 47 | 96 | 19 | 18 |
| 24 | 86 | 16 | 64 | 28 | 79 | 25 | 50 | 52 | 23 | 49 | 70 | 20 | 17 | 73 | 13 | 40 | 36 | 28 | 32 | 51 | 904 | 22 | 19 |
| 28 | 96 | 17 | 66 | 29 | 85 | 29 | 53 | 63 | 27 | 64 | 71 | 26 | 22 | 80 | 14 | 41 | 37 | 36 | 38 | 52 | 6 | 25 | 31 |
| 34 | 99 | 28 | 73 | 30 | 96 | 33 | 55 | 64 | 28 | 67 | 76 | 27 | 41 | 81 | 19 | 52 | 38 | 37 | 41 | 55 | 14 | 26 | 34 |
| 41 | 608 | 33 | 75 | 35 | 303 | 39 | 58 | 70 | 35 | 70 | 85 | 30 | 42 | 82 | 21 | 56 | 40 | 38 | 44 | 62 | 15 | 31 | 35 |
| 44 | 9 | 37 | 77 | 39 | 15 | 41 | 60 | 71 | 37 | 71 | 89 | 35 | 43 | 94 | 22 | 58 | 41 | 47 | 46 | 70 | 19 | 40 | 55 |
| 46 | 15 | 38 | 78 | 46 | 18 | 45 | 64 | 73 | 38 | 76 | 91 | 36 | 48 | 97 | 25 | 59 | 51 | 49 | 48 | 75 | 21 | 42 | 60 |
| 53 | 18 | 46 | 81 | 51 | 20 | 52 | 66 | 83 | 41 | 77 | 94 | 38 | 54 | 99 | 31 | 60 | 55 | 50 | 49 | 80 | 26 | 43 | 61 |
| 54 | 19 | 50 | 82 | 53 | 23 | 54 | 69 | 84 | 50 | 93 | 97 | 44 | 55 | 6002 | 37 | 63 | 58 | 58 | 53 | 83 | 29 | 48 | 67 |
| 56 | 34 | 60 | 83 | 55 | 24 | 60 | 74 | 85 | 53 | 95 | 801 | 45 | 59 | 3 | 40 | 80 | 59 | 66 | 56 | 86 | 46 | 49 | 70 |
| 58 | 37 | 63 | 85 | 68 | 26 | 62 | 76 | 86 | 58 | 400 | 14 | 47 | 65 | 11 | 43 | 82 | 60 | 68 | 65 | 87 | 47 | 50 | 75 |
| 63 | 41 | 66 | 92 | 71 | 29 | 63 | 81 | 93 | 59 | 5 | 18 | 48 | 66 | 12 | 46 | 83 | 61 | 70 | 69 | 89 | 48 | 51 | 81 |
| 68 | 64 | 69 | 98 | 75 | 36 | 67 | 82 | 95 | 60 | 16 | 32 | 50 | 68 | 21 | 50 | 85 | 67 | 75 | 76 | 91 | 49 | 53 | 82 |
| 79 | 67 | 70 | 501 | 79 | 43 | 73 | 83 | 99 | 64 | 17 | 40 | 51 | 73 | 22 | 61 | 87 | 68 | 78 | 78 | 93 | 52 | 72 | 84 |
| 87 | 69 | 73 | 2 | 83 | 44 | 76 | 203 | 600 | 66 | 22 | 44 | 59 | 76 | 24 | 68 | 88 | 69 | 83 | 80 | 94 | 54 | 79 | 92 |
| 95 | 74 | 75 | 3 | 92 | 48 | 77 | 5 | 2 | 69 | 24 | 60 | 65 | 78 | 25 | 72 | 90 | 72 | 84 | 82 | 95 | 66 | 85 | 97 |
| 96 | 77 | 84 | 4 | 94 | 50 | 80 | 8 | 3 | 78 | 25 | 66 | 71 | 80 | 27 | 73 | 91 | 77 | 88 | 86 | 97 | 73 | 86 | 98 |
| 200 | 78 | 90 | 8 | 95 | 52 | 83 | 13 | 5 | 79 | 27 | 68 | 76 | 82 | 28 | 78 | 92 | 81 | 90 | 91 | 501 | 79 | 89 | 801 |
| 4 | 79 | 94 | 9 | 96 | 59 | 92 | 15 | 7 | 82 | 34 | 70 | 77 | 88 | 31 | 83 | 902 | 82 | 93 | 200 | 7 | 81 | 90 | 7 |
| 11 | 86 | 96 | 13 | 97 | 71 | 94 | 21 | 8 | 83 | 37 | 74 | 80 | 93 | 32 | 89 | 3 | 86 | 97 | 3 | 8 | 83 | 404 | 10 |
| 18 | 87 | 102 | 21 | 99 | 75 | 97 | 28 | 9 | 87 | 38 | 75 | 87 | 95 | 33 | 91 | 4 | 89 | 700 | 4 | 9 | 84 | 7 | 12 |
| 26 | 95 | 8 | 22 | 900 | 83 | 803 | 43 | 16 | 89 | 41 | 76 | 94 | 96 | 35 | 96 | 8 | 95 | 1 | 7 | 13 | 88 | 8 | 16 |
| 34 | 97 | 10 | 23 | 1 | 85 | 6 | 45 | 23 | 90 | 46 | 80 | 96 | 700 | 42 | 97 | 9 | 98 | 3 | 10 | 17 | 89 | 10 | 17 |
| 39 | 99 | 13 | 25 | 2 | 86 | 10 | 46 | 24 | 4010 | 47 | 83 | 97 | 6 | 45 | 507 | 12 | 300 | 4 | 15 | 19 | 92 | 13 | 19 |
| 41 | 705 | 17 | 26 | 4 | 97 | 13 | 51 | 26 | 33 | 49 | 86 | 99 | 7 | 46 | 10 | 13 | 8 | 8 | 27 | 20 | 9000 | 15 | 23 |
| 46 | 7 | 23 | 30 | 11 | 401 | 14 | 57 | 27 | 36 | 53 | 91 | 301 | 9 | 49 | 11 | 14 | 9 | 9 | 29 | 22 | 4 | 18 | 24 |
| 48 | 11 | 24 | 35 | 13 | 3 | 16 | 61 | 28 | 39 | 54 | 97 | 7 | 14 | 80 | 12 | 20 | 11 | 12 | 35 | 26 | 7 | 19 | 28 |
| 49 | 16 | 25 | 36 | 16 | 15 | 21 | 63 | 30 | 41 | 55 | 99 | 11 | 16 | 85 | 15 | 29 | 12 | 22 | 42 | 27 | 8 | 22 | 33 |
| 51 | 17 | 26 | 38 | 18 | 16 | 22 | 64 | 39 | 44 | 57 | 902 | 12 | 20 | 88 | 22 | 33 | 15 | 24 | 47 | 34 | 11 | 26 | 37 |
| 52 | 20 | 28 | 40 | 22 | 17 | 24 | 70 | 41 | 45 | 60 | 6 | 19 | 23 | 90 | 26 | 35 | 18 | 28 | 51 | 43 | 13 | 30 | 38 |
| 53 | 25 | 44 | 44 | 25 | 18 | 25 | 76 | 42 | 46 | 70 | 8 | 20 | 24 | 92 | 43 | 44 | 22 | 33 | 54 | 45 | 15 | 41 | 40 |
| 54 | 27 | 47 | 47 | 31 | 20 | 26 | 81 | 48 | 47 | 78 | 13 | 21 | 26 | 98 | 46 | 47 | 29 | 35 | 57 | 48 | 17 | 46 | 41 |
| 59 | 28 | 51 | 52 | 35 | 22 | 27 | 84 | 49 | 54 | 84 | 15 | 22 | 28 | 107 | 51 | 53 | 30 | 36 | 58 | 52 | 21 | 49 | 42 |
| 65 | 39 | 56 | 56 | 55 | 24 | 30 | 88 | 53 | 55 | 85 | 19 | 23 | 29 | 16 | 53 | 60 | 37 | 38 | 59 | 53 | 34 | 50 | 44 |
| 66 | 42 | 57 | 57 | 59 | 27 | 34 | 90 | 56 | 57 | 87 | 23 | 26 | 31 | 20 | 54 | 67 | 38 | 49 | 61 | 59 | 44 | 57 | 45 |
| 71 | 45 | 62 | 59 | 63 | 31 | 58 | 92 | 57 | 61 | 92 | 24 | 31 | 32 | 21 | 63 | 69 | 41 | 51 | 64 | 63 | 48 | 66 | 56 |
| 73 | 49 | 66 | 62 | 64 | 32 | 59 | 94 | 58 | 62 | 94 | 27 | 42 | 33 | 28 | 68 | 77 | 43 | 52 | 66 | 67 | 53 | 67 | 60 |
| 74 | 53 | 75 | 64 | 65 | 33 | 61 | 99 | 59 | 64 | 99 | 36 | 46 | 35 | 30 | 70 | 81 | 45 | 54 | 69 | 73 | 55 | 75 | 64 |
| 76 | 62 | 78 | 68 | 72 | 37 | 64 | 300 | 61 | 65 | 500 | 44 | 49 | 38 | 33 | 73 | 85 | 48 | 63 | 74 | 82 | 57 | 76 | 66 |
| 78 | 64 | 79 | 70 | 73 | 42 | 65 | 1 | 64 | 68 | 3 | 49 | 50 | 42 | 35 | 76 | 91 | 58 | 78 | 77 | 85 | 59 | 78 | 71 |
| 79 | 65 | 82 | 71 | 76 | 44 | 72 | 2 | 67 | 70 | 8 | 52 | 54 | 43 | 37 | 83 | 95 | 63 | 82 | 78 | 87 | 63 | 87 | 79 |
| 80 | 68 | 94 | 87 | 78 | 46 | 76 | 3 | 69 | 75 | 10 | 56 | 60 | 55 | 39 | 86 | 99 | 66 | 83 | 81 | 90 | 64 | 95 | 901 |
| 81 | 69 | 200 | 89 | 85 | 49 | 77 | 6 | 70 | 77 | 13 | 58 | 63 | 58 | 41 | 88 | 7001 | 83 | 85 | 82 | 93 | 66 | 96 | 5 |
| 82 | 72 | 2 | 90 | 94 | 52 | 78 | 9 | 78 | 84 | 15 | 60 | 69 | 60 | 45 | 89 | 4 | 84 | 88 | 84 | 602 | 71 | 503 | 11 |
| 83 | 73 | 3 | 91 | 97 | 54 | 80 | 10 | 83 | 91 | 21 | 66 | 88 | 61 | 48 | 90 | 11 | 87 | 94 | 86 | 11 | 72 | 4 | 12 |
| 88 | 76 | 4 | 94 | 2006 | 56 | 82 | 11 | 85 | 92 | 28 | 72 | 90 | 62 | 50 | 91 | 19 | 88 | 95 | 93 | 14 | 77 | 7 | 13 |
| 315 | 82 | 11 | 96 | 10 | 58 | 83 | 12 | 91 | 95 | 33 | 73 | 95 | 64 | 52 | 97 | 22 | 89 | 98 | 95 | 29 | 98 | 11 | 38 |
| 16 | 84 | 12 | 603 | 18 | 59 | 89 | 19 | 92 | 96 | 41 | 82 | 403 | 67 | 55 | 609 | 23 | 92 | 802 | 99 | 37 | 99 | 13 | 39 |
| 17 | 85 | 15 | 5 | 21 | 62 | 91 | 20 | 99 | 98 | 47 | 90 | 5 | 73 | 56 | 14 | 31 | 95 | 3 | 204 | 40 | 100 | 15 | 41 |
| 19 | 86 | 19 | 6 | 27 | 73 | 96 | 27 | 700 | 104 | 50 | 95 | 11 | 76 | 59 | 26 | 35 | 402 | 8 | 5 | 44 | 1 | 19 | 45 |
| 21 | 92 | 20 | 8 | 28 | 79 | 99 | 28 | 3 | 5 | 61 | 98 | 14 | 84 | 60 | 32 | 37 | 7 | 11 | 7 | 48 | 19 | 23 | 46 |
| 25 | 94 | 21 | 10 | 30 | 81 | 902 | 34 | 7 | 8 | 62 | 99 | 20 | 85 | 63 | 39 | 39 | 8 | 12 | 10 | 50 | 24 | 24 | 49 |
| 32 | 97 | 26 | 13 | 33 | 82 | 6 | 36 | 9 | 11 | 63 | 5000 | 21 | 88 | 65 | 42 | 42 | 18 | 14 | 21 | 55 | 26 | 28 | 50 |
| 33 | 805 | 31 | 14 | 43 | 88 | 7 | 42 | 10 | 12 | 65 | 3 | 26 | 90 | 72 | 44 | 44 | 19 | 15 | 23 | 56 | 28 | 31 | 51 |
| 39 | 6 | 37 | 16 | 44 | 90 | 8 | 45 | 13 | 20 | 71 | 5 | 35 | 92 | 80 | 59 | 45 | 21 | 20 | 24 | 81 | 33 | 32 | 59 |
| 49 | 9 | 38 | 21 | 47 | 99 | 12 | 54 | 14 | 21 | 79 | 6 | 40 | 94 | 95 | 64 | 53 | 29 | 22 | 25 | 82 | 39 | 34 | 60 |
| 64 | 10 | 42 | 28 | 55 | 500 | 15 | 58 | 16 | 22 | 83 | 8 | 42 | 802 | 201 | 71 | 55 | 40 | 23 | 30 | 86 | 41 | 36 | 72 |
| 69 | 16 | 46 | 31 | 58 | 3 | 17 | 61 | 19 | 28 | 85 | 13 | 44 | 4 | 2 | 73 | 61 | 57 | 24 | 33 | 89 | 48 | 37 | 74 |
| 77 | 19 | 47 | 37 | 76 | 7 | 19 | 65 | 20 | 32 | 86 | 20 | 52 | 6 | 7 | 78 | 62 | 59 | 26 | 37 | 92 | 49 | 45 | 75 |
| 80 | 21 | 48 | 38 | 80 | 13 | 21 | 67 | 21 | 35 | 87 | 27 | 54 | 9 | 23 | 87 | 72 | 65 | 31 | 43 | 707 | 50 | 49 | 78 |
| 84 | 23 | 51 | 40 | 81 | 14 | 22 | 85 | 28 | 36 | 90 | 29 | 57 | 22 | 24 | 88 | 76 | 66 | 35 | 44 | 18 | 52 | 53 | 86 |
| 85 | 28 | 53 | 42 | 82 | 17 | 29 | 86 | 32 | 41 | 95 | 31 | 58 | 27 | 27 | 91 | 79 | 71 | 36 | 48 | 20 | 58 | 58 | 88 |
| 87 | 32 | 59 | 48 | 85 | 26 | 31 | 400 | 38 | 64 | 99 | 34 | 59 | 28 | 35 | 93 | 80 | 72 | 37 | 50 | 22 | 63 | 61 | 92 |
| 89 | 35 | 60 | 50 | 89 | 36 | 38 | 1 | 40 | 66 | 605 | 40 | 64 | 32 | 44 | 99 | 81 | 74 | 38 | 56 | 32 | 65 | 63 | 93 |
| 95 | 36 | 61 | 52 | 96 | 40 | 42 | 6 | 50 | 68 | 9 | 43 | 67 | 39 | 49 | 703 | 82 | 83 | 48 | 58 | 36 | 66 | 64 | 95 |
| 401 | 41 | 62 | 54 | 111 | 42 | 49 | 7 | 51 | 71 | 14 | 45 | 71 | 40 | 53 | 4 | 90 | 84 | 49 | 65 | 46 | 71 | 76 | 98 |
| 2 | 42 | 63 | 55 | 17 | 46 | 66 | 11 | 54 | 79 | 15 | 46 | 72 | 41 | 55 | 7 | 92 | 86 | 50 | 67 | 56 | 73 | 83 | 802 |
| 11 | 43 | 72 | 59 | 21 | 49 | 68 | 12 | 55 | 83 | 18 | 54 | 73 | 42 | 61 | 8 | 94 | 88 | 51 | 70 | 59 | 78 | 85 | |
| 15 | 48 | 78 | 61 | 22 | 53 | 75 | 18 | 59 | 84 | 20 | 56 | 80 | 43 | 62 | 15 | 95 | 98 | 63 | 72 | 60 | 79 | 89 | |
| 21 | 49 | 80 | 65 | 23 | 54 | 78 | 25 | 61 | 89 | 25 | 62 | 81 | 46 | 63 | 18 | 102 | 503 | 71 | 79 | 61 | 88 | 91 | |
| 30 | 51 | 84 | 75 | 25 | 56 | 85 | 30 | 62 | 92 | 33 | 72 | 86 | 51 | 68 | 21 | 5 | 7 | 89 | 84 | 62 | 93 | 92 | |
| 32 | 53 | 86 | 77 | 26 | 58 | 88 | 38 | 66 | 93 | 38 | 74 | 87 | 56 | 71 | 25 | 8 | 8 | 90 | 86 | 64 | 96 | 93 | |
| 37 | 54 | 88 | 84 | 30 | 59 | 89 | 40 | 73 | 94 | 40 | 75 | 88 | 57 | 78 | 31 | 10 | 12 | 91 | 95 | 65 | 201 | 95 | |
| 44 | 55 | 90 | 89 | 37 | 60 | 99 | 44 | 74 | 204 | 42 | 79 | 90 | 58 | 83 | 33 | 12 | 13 | 95 | 301 | 70 | 4 | 98 | |
| 57 | 63 | 94 | 95 | 39 | 61 | 3000 | 52 | 80 | 7 | 54 | 83 | 91 | 60 | 98 | 34 | 19 | 18 | 96 | 5 | 72 | 5 | 802 | |
| 64 | 67 | 98 | 703 | 42 | 65 | 1 | 55 | 83 | 12 | 63 | 89 | 96 | 62 | 300 | 35 | 21 | 21 | 97 | 8 | 74 | 6 | 3 | |
| 67 | 69 | 303 | 6 | 48 | 67 | 2 | 62 | 84 | 16 | 69 | 91 | 500 | 64 | 4 | 38 | 25 | 23 | 99 | 10 | 89 | 27 | 8 | |
| 68 | 83 | 8 | 9 | 49 | 77 | 5 | 65 | 87 | 21 | 81 | 109 | 4 | 71 | 9 | 41 | 41 | 24 | 904 | 17 | 90 | 30 | 9 | |
| 82 | 86 | 11 | 11 | 51 | 92 | 7 | 66 | 90 | 23 | 84 | 10 | 9 | 77 | 11 | 42 | 46 | 25 | 14 | 19 | 94 | 37 | 17 | |
| 85 | 91 | 25 | 17 | 53 | 94 | 8 | 72 | 93 | 26 | 85 | 11 | 10 | 78 | 12 | 50 | 48 | 26 | 17 | | | | | |

| Prize of 2500 Dollars. | Prizes of 50 Dollars. | Prizes of 20 Dollars. |
|---|---|---|
| No. | No. | No. |
| 5224 | 606 | 2846 |
| | 839 | 50 |
| | 840 | 3073 |
| ----- | 1089 | 77 |
| | 1146 | 285 |
| | 1201 | 660 |
| | 1493 | 739 |
| | 1542 | 846 |
| | 1850 | 977 |
| | 1881 | 4080 |
| | 1953 | 126 |
| | 2091 | 47 |
| | 2564 | 345 |
| | 3107 | 52 |
| | 3390 | 99 |
| | 3427 | 432 |
| | 4365 | 554 |
| | 4379 | 89 |
| | 4408 | 699 |
| | 4648 | 5023 |
| | 4813 | 30 |
| | 5336 | 145 |
| | 5441 | 92 |
| | 5653 | 358 |
| | 5717 | 68 |
| | 6260 | 73 |
| | 6401 | 461 |
| | 6755 | 602 |
| | 7134 | 27 |
| | 7204 | 62 |
| ----- | 7589 | 765 |
| | 7656 | 70 |
| | 7723 | 82 |
| | 7872 | 95 |
| | 7900 | 815 |
| | 8051 | 989 |
| | 8109 | 6079 |
| | 8403 | 74 |
| | 8415 | 138 |
| | 8701 | 208 |
| | 8814 | 73 |
| | 9157 | 320 |
| | 9189 | 27 |
| | 9327 | 45 |
| | 9826 | 53 |
| | | 552 |
| | | 602 |
| ----- | ----- | 83 |
| | | 709 |
| | | 12 |
| | | 70 |
| | | 915 |
| | | 73 |
| | | 7099 |
| | | 135 |
| | | 78 |
| | | 279 |
| | | 349 |
| | | 55 |
| | | 543 |
| | | 746 |
| | | 89 |
| | | 888 |
| | | 8201 |
| | | 96 |
| | | 332 |
| | | 39 |
| | | 48 |
| | | 409 |
| | | 24 |
| | | 599 |
| | | 608 |
| | | 26 |
| | | 28 |
| | | 31 |
| | | 843 |
| | | 91 |
| | | 913 |
| ----- | | 9027 |
| | | 49 |
| | | 88 |
| | | 481 |
| | | 86 |
| | | 540 |
| | | 739 |
| | | 825 |
| | | 72 |
| | | 932 |
| | | 77 |

| Prizes of 100 Dollars. | Prizes of 20 Dollars. |
|---|---|
| No. | No. |
| 493 | 19 |
| 1057 | 250 |
| 1625 | 347 |
| 1802 | 414 |
| 2438 | 825 |
| 3019 | 64 |
| 4313 | 900 |
| 5686 | 18 |
| 6307 | 72 |
| 6592 | 1025 |
| 6884 | 36 |
| 7547 | 88 |
| 7555 | 137 |
| 7618 | 83 |
| 8530 | 95 |
| 8827 | 96 |
| 9323 | 206 |
| 9547 | 73 |
| 9578 | 319 |
| 9634 | 425 |
| | 38 |
| ----- | 816 |
| | 42 |
| | 971 |
| | 2000 |
| | 132 |
| | 62 |
| | 243 |
| | 47 |
| | 93 |
| | 300 |
| | 37 |
| | 72 |
| | 563 |
| | 665 |
| | 747 |

| Prize of 1500 Dollars. |
|---|
| No. |
| 9930 |
| ---- |

| Prizes of 1000 Dollars. |
|---|
| No. |
| 6209 |
| 9614 |

| Prizes of 500 Dollars. |
|---|
| No. |
| 622 |
| 2689 |
| 4842 |
| 7856 |
| ----- |

| Prizes of 50 Dollars. |
|---|
| No. |
| 26 |
| 120 |
| 135 |
| 233 |
| 594 |

From the LONDON GENERAL ADVERTISER.

*English Conduct briefly conſidered.*

THE King of France married Eleanor, who, in her own right, was ſovereign of all the ſouth of France; but he found it prudent (not for her good) to put her away, and reſtore to her all her dominions. Henry the Second of England married her. This fatal marriage involved England in wars with France for 350 years together; in which, ſays Rapin, more men were ſlain, than even lived in both kingdoms at any one time: Fortunately, we were beat out of it in the reign of Henry the Sixth, but during this period the wars of France were not enough for us, and therefore an army was conducted by Richard the Firſt to the Holy Land, to conquer Jeruſalem; but on his return through Germany he was ſeized, and lay two years in a common goal, was ranſomed, and again renewed his wars with France, as did many of his ſucceſſors, particularly Edward the Third, and Henry the Fifth; but he dying in France, wiſhed to live only to recover the Holy Land. Such has been the madneſs and reſtleſs temper of the Britiſh nation for above 300 years.

Theſe matters being ſettled, they turned their ſwords upon themſelves, under the houſes of York and Lancaſter, and rivers of blood were ſhed. Soon after this time, in anno 1492, by the help of the compaſs, America was diſcovered, as alſo the ſailing round the Cape of Good Hope. England now had a new ſource of rapine to indulge herſelf in. We were one of the firſt to make the diſcovery of the new world, fought, conquered and killed the natives of North-America; took the country and colonized it; as well as many iſlands in the Weſt-Indies. In conſequence became involved in many wars, all which originated in and on account of America; and after an ocean of blood ſhed, and two hundred and eighty millions of debt incurred, that country has revolted and become a ſovereign State, and will, allied with France, be a great future ſcourge to this kingdom, and its remaining foreign dominions.

Turning from America, let us view the Britiſh conduct in Africa. At Senegal, Guinea, Angola, Congo, Carmontee, Whedah, where their practice is worſe than that of ſhedding blood; for they carry into ſlavery thouſands, and hundreds of thouſands, of its unhappy inhabitants to the Weſt-Indies, where they are doomed to everlaſting ſlavery.

Paſſing from Africa round the Cape of Good Hope, we come to Aſia; there we find Britons killing, burning, deſtroying great cities, plundering Princes, even tying twenty-four men to pieces of cannon, and blowing them to atoms; and this owned by the author, before a committee of the Houſe of Commons. Innumerable crimes are daily committed there, equal to thoſe of Pizarro and Cortes in Peru. All this for paltry diamonds, lacks of rupees, and manufactured goods, which are pernicious to this country.

But peace is not in their nature; perhaps, it is owing to their boiſterous climate, that their delight is in war, and to ranſack the whole globe, from Lake Superior to the Ganges, and beyond it; and from Greenland to Otaheite; for their thirſt for dominion is ſuch that neither ſeas, mountains or deſerts can ſtop their ambition, or their miſtaken notions of trade; by which, they not only diſturb the other nations of the globe, but have in purſuit of it ſunk themſelves into an abyſs of debt. A very great part of which is incurred for two moſt inſignificant articles of luxury,---Tea from the Eaſt, and ſugar from the Weſt.

I will ceaſe a further recital of their cruelty, their violence and miſtakes, by aſking the rulers of the State, as well as the nation at large, why they will not be content with their own fertile ſoil of this kingdom? and of which, there lays 150,000 acres in deſert, within 15 miles of London, and many hundred thouſand acres in the ſame ſtate all over the country, in heaths, foreſts, commons, chaces, parks and waſtes.---I have ſeen two regiments reviewed on Wimbleton Common, and ordered right about, and march to Portſmouth; there they were embarked for Eaſt and Weſt Florida, and lay buried in the burning ſands there. Had they been commanded to turn their halberds and bayonets into plow-ſhares, and cultivate that fertile common on which they ſtood, the State would have been two thouſand men richer, and more corn and cattle, from their labour, brought to market for the public.

Yours, &c.

LANSING.

*The following curious Rencontre took place ſome time ſince in France.*

SOME young perſons walking in the wood of Boulonge, perceived an Abbe ſinging at the foot of a tree. They drew near and ſurrounded him. The Abbe, ſtartled at his auditory, ſtops ſhort. The forwardeſt of them addreſſes him, and tells him, that, attracted by the charms of his voice, they are come there to liſten to him. The ſinger excuſes himſelf. They inſiſt, he refuſes. The petulant orator lifts up his cane, and threatens to take the meaſure of his ſhoulders if he requires any further entreaty. A pretty method indeed of teaching one to ſing, ſaid the Abbe. I agree that it is rather harſh, but we will cut off your ears for you, if you like that better. The poor devil ſeeing there was no reaſoning with theſe gentlemen, ſet about his part, and ſung, as we may imagine, very ill. To it again ſir, ſaid the orator; we ſhall perform better the ſecond time. In ſhort, they made him paſs through the whole ſcale of muſic, after which they withdrew, with great commendations on his voice, and above all on his complaiſance in ſinging.

"The Abbe, who had this ſcene much at heart, loſes no time, but while the gentlemen continued their walk, laughing at his expence, he haſtens to the gate of Boulogne, and by the deſcription he there gives of them, he finds out their coachman. From him he learnt that the orator is the Count of * * * * * a black Muſqueteer, and gets particular information of his reſidence. The next morning very early, the Abbe dreſſes like a gentleman, and haſtens to his houſe, where he procures immediate admittance to him. Being left alone with the Count, who was yet half aſleep, he tells him who he is, and that he is come to demand ſatisfaction of him for the affront given the evening before. An apoſtrophe of this ſort was well adapted to rouſe the Muſqueteer, who continued ſtill dozing. You are abſolutely a brave fellow, ſaid the Count; I love Abbes who are ready at every thing; and nothing, to be ſure, is more reaſonable than what you demand; but pray do you underſtand the ſword? That is no matter of your's, ſaid the Abbe, you ſhall ſee by and by. Be it ſo then, replied the Count, but where ſhall we fix the field of battle? On the very ſpot where the affront was given, rejoined the Abbe. With all my heart, ſaid the Count, and, dreſſing himſelf inſtantly, ordered his horſes to be put to the carriage. Our two champions repair to the gate of Maillot, and getting out there, proceed to the place of rendezvous. While the Muſqueteer was ſtripping, the Abbe takes a piſtol out of his pocket, and claps it to his breaſt. We are now come here to fight, ſir, ſaid he: you made me ſing yeſterday againſt my will. I take you to be a very good dancer, and you ſhall dance, or I will blow out your brains. In vain the ſoldier, ſtartled at the piſtol, would have pleaded the laws of honor. You were a ſtranger to them yeſterday, ſaid the Abbe, and deſerve no other uſage. No more ceremony, or I avenge myſelf immediately, let what will become of it. The Muſqueteer ſqueezes his ears, and is obliged to comply. Accordingly he aſks ſubmiſſively, what he muſt dance. Cupid's minuet is what I am going to ſing, ſaid the Abbe, who thereupon warbles out the tune, directing his pupil all the while by the piſtol. When the minuet was over, the Abbe required a country dance, then a horn-pipe, rigadoon, &c. At laſt throwing away his piſtol and drawing his ſword---We have now nothing, ſir, to reproach each other with; let us fight. No, cried the Count, we will not; you are too brave a conqueror; you have corrected my folly, I am to thank you for the leſſon, let us be friends. The two combatants embraced each other, and went to ſeal their friendſhip over a bottle."

CHARLESTON, *(S. C.) April 27.*

The reſolution entered into by a number of citizens to bring to public ignominy and puniſhment all ſuch ſpeculators and peculators as ſhall attempt to depreciate the new paper money, will give it all the benefits of a legal tender, without any of the diſadvantages.

*May 5.* The following inſtance will prove how exceedingly the want of a circulating medium was experienced in the country: A man who poſſeſſed four negroes, took up a fifth on bond, payable in three years; the time being expired, an execution was iſſued againſt his eſtate, the Sheriff took the whole five negroes, and put them up to ſale agreeable to law, when the whole was ſold for leſs than what was originally agreed to be given for the ſingle one.

A few days will produce the long looked-for paper emiſſion (this ſaviour of our country, as its termed) therefore, whoever the wretch is that dare depreciate its value, it is hoped will meet the vengeance of his fellow citizens, be complimented with a ſuit of new invented cloathing, called tar and feathers, and be drummed out of the ſtate---for the men who wiſh to ſpeculate on the ruin of the country, do not deſerve the protection thereof.

We hear that the city treaſurer is to receive the new emiſſion for all taxes, rents on city lands, tavern licence, city tonnage on ſhipping, fees of the city court, &c. &c. &c. Nothing could have added more to the credit of the new paper, than this wiſe ſtep.

NEW-YORK, *May 19.*

Is it not a pity that ſuch a machine (ſays a political writer in the Connecticut Magazine, ſpeaking of the federal union of the ſtates) as we have been at the pains to conſtruct, ſhould fail in its effect? what fitter place can there be for a republic than America, where liberty is ſo well underſtood, and the rights of human nature are ſo clearly defined? Let the republican ſyſtem "have fair play" in this part of the globe, and it will ſoon be ſeen that men can live together on a plan of equality, and govern themſelves, without foreign connections or domeſtic uſurpation.

A maxim that was occaſionally inculcated into the minds of the people, by the roman chiefs, in moments of imminent danger, would be very applicable to the people of this ſtate, at the preſent time---"By uniting we ſtand; by dividing we fall." By uniting in the moments of danger, this country obtained its liberty: Its liberty and independence obtained, there follows a great work for the Virtuous to perform, in order to make theſe acquiſitions a bleſſing. The conduct that would inſure this bleſſing, is very ſimple; it is conceived to be merely this---for the farmer and merchant to unite in the bands of friendſhip, to aſſiſt and ſupport each others intereſt by mutual good offices, to inform themſelves fully of the exigencies of the ſtate, and chearfully to give it ſuch an aid as to make it happy and eaſy at home, reſpected and reſpectable abroad; by this means we ſhould be happy and independent, in the trueſt ſenſe of the word; and America would be, what Europe expected it would be, the aſſylum of liberty, and New-York would regain once more, thoſe golden days that ſo many of her ſons lamented as loſt---the days when diſtreſs will be unknown---when the farmer will confide in the merchant ---the merchant in the farmer, and both, by theſe means, riſe to to happineſs and proſperity, from their confidence and liberality.

*Algiers, 17th Auguſt, 1785.*

*Capt. Francis Macey,*

I TAKE the liberty to write you by way of informing you that the ſhip Dauphin, Captain Rd. O'Brien, belonging to Philadelphia, on board of which I was paſſenger, on her way from Dunkirk to Philadelphia, was captured by an Algerine cruizer, about 80 or 90 W. of the rock of Liſbon, and brought in here the 12th inſtant, where we all are conſidered a lawful prize; of courſe you may judge of our hard fate; But the Engliſh Conſul has diſplayed every mark of humanity in his power towards us, which I hope will ever be remembered by every one who poſſeſſes chriſtianity---If you think proper to write him relative to doing me any favor, as done unto you, I ſhall eſteem it too great a favor ever to be forgot by your humble ſufferer,

ZAUKAUS COFFIN.

Pleaſe to acquaint my brother and particular friends in London of my diſtreſſed ſituation, who will write the Conſul. Pleaſe to direct to Charles Logie, Eſq; Conſul in Algiers; you'll pleaſe to have the ſhip mentioned in the London Gazette.

*Algiers, 27th January, 1786.*

*Gentlemen,*

I AM favored with your letter of 10th October. I immediately communicated the contents reſpecting Zaukaus Coffin to him, and offered the ten guineas you directed me to advance him, his receipt for that ſum, with an order for receiving it back from you. I have this day encloſed to Rt. and Hr. Drummond and Co. bankers, who will preſent it to Mr. Thos. Wagſtaff, No. 33, Gracechurch-ſtreet, as the only name were to direct them that I can find in the directory. With regard to Capt. Coffin's redemption, as he from ignorance was publiſhed to have been a captain of a ſhip, the uſual price of 540 l. firſt coſt, with 25 l. per cent. duties and charges, would have been aſked for him: But in conſequence of Spain's going to redeem her ſubjects, the ſcarcity of ſlaves in that caſe will I fear increaſe their demands for a Captain's ranſum near 1001. firſt coſt. However if his friends will be ſo charitable as to redeem him out of his preſent miſerable ſituation, I will with pleaſure undertake to procure it for him on the moſt reaſonable terms that can be procured, without fee or reward; as I ſhould be happy to render him every ſervice in my power as well from his own perſonal merit, and as a return for the civility I formerly received from the late Mr. Rock, a native of Nantucket.

I am, gentlemen, yours, &c.

CHARLES LOGIE.

Meſſrs. Thos. Wagſtaff, Wm. Delwin and John Bland, } London.

*Algiers, 26th December, 1785.*

*Reſpected Friends,*

I THIS day have had the ſatisfaction of reading your letter to Charles Logie, Eſquire, of the 10th October, the contents of which I find imports to my unfortunate ſituation, and in anſwer to which I ſincerely acknowledge your extraordinay friendſhip in your adminiſtration in my behalf in this gloolmy ſituation, which is beyond the conception of any but thoſe who experience the ſtate of ſlavery; though I cannot but ſay my ſituation is far better than hundreds of poor ſlaves in this place, as I have until within theſe few days been extricated from the ſeverity of ſlavery by the Britiſh Conſul, whoſe humanity I ſhall always remember and ever be indebted to. But in conſequence of orders from the American Ambaſſador at Madrid, we American Maſters are now under the care of the Count D'Eſpilly, Ambaſſador and peace maker from the Court of Spain.

I am, &c.

ZAUKAUS COFFIN.

Thomas Wagſtaff, William Delwyn and John Bland, } London.

To Dr. B. FRANKLIN.

*Premiums propoſed by the Pariſian Society of the Nine Siſters.*

THE ſociety known by the name of the Sacred Nine, or Nine Siſters, compoſed of learned artiſts, and literati, and which Dr. Franklin was preſident in the year immediately after that in which we had the miſfortune of loſing VOLTAIRE, deſiring at the preſent period to offer a public homage to the celebrated American, whoſe preſence they no more expect to enjoy; propoſe two premiums for arts and eloquence------Two golden medals of the value of ſix hundred livers each.

The premium for elcquence will be adjudged to an encomium, in proſe, of Dr. Franklin, of one half hour's reading at leaſt.

That for arts to an allegorical ſketch, two feet high and one and a half wide, emblematic of the ſervices which ſaid Franklin has done to the ſciences and to American liberty.

Any perſon (the members of the Sacred Nine Society excepted) will be admitted as a candidate.

The diſcourſes and ſketches to be ſent to the Society at Paris, poſt paid.

PHILADELPHIA, *May 31.*

On Thurſday, the 4th of May, at the Reformed German Church, in Race-ſtreet, was performed a GRAND CONCERT of vocal and inſtrumental muſic, in the preſence of a numerous and polite audience. The whole band conſiſted of 230 vocal, and 50 inſtrumental performers; which, we are fully juſtified in pronouncing, was the moſt complete, both with reſpect to number and accuracy of execution, ever, on any occaſion, combined in this city, and, perhaps, throughout America.

The firſt idea of this concert was ſuggeſted to the Truſtees of the muſical inſtitution, by the commemoration of Handel, in London, and Sacred Concert in Boſton. It was planned in January laſt, and a ſeries of preparatory meaſures purſued till its accompliſhment.

The morning, which had been previouſly announced in the public papers for this exhibition, having arrived, the doors of the church were opened punctually at the time propoſed, the audience were ſucceſſively conducted to their ſeats, and the performers took their ſeveral ſtations, the whole of which was done without noiſe or the leaſt apparent confuſion. At eleven o'clock the doors were ſhut, and, after a dead ſilence of about 5 minutes, this feaſt of harmony began with Martini's famous overture, which was performed with ſuch a propriety of expreſſion, that, could the author himſelf have been preſent, he would not have thought his compoſition diſgraced, or, the ideas he intended to convey, miſunderſtood.-----Then followed a ſucceſſion of celebrated anthems, which were performed with a preciſion and effect ſufficient to enforce the powers of harmony on the moſt untutored ears.

Between the anthems the force of the band was interrupted and contraſted by two ſolo concertos. The firſt by Mr. Brown, whoſe power over the German Flute has aſtoniſhed Americans, and would give additional grace to any royal band in Europe; the ſecond, which was a Violin Concerto, by Mr. Juhan, who not only diſplayed the moſt promiſing talents, but a taſte and execution which did him preſent honor and gave acknowledged ſatisfaction.

The whole concluded with the exertions of the full band, in the performance of that moſt ſublime of all muſical compoſitions, the grand chorus in the Meſſiah, by the celebrated Handel, to theſe words, "Hallelujah! for the Lord God omnipotent reigneth," &c. &c.

To the ſkill and attention of Mr. Adgate, in training and inſtructing the voices, and of Mr. Juhan, in arranging and leading the inſtruments, may be attributed that forcible and uniform effect ſo manifeſtly produced throughout the exhibition. The general, and for any thing known to the contrary, unanimous approbation of the audience, evinced that this rational and exalted entertainment intereſted, and, as it were ſwallowed up the attention of both hearers and performers, and had, therefore, its full effect on the feelings of both.

The decorum and method obſerved in conducting the whole, harmonized with the preciſion and order neceſſary to the perfection of a muſical performance. No interruption from within, no diſturbance from without, prevented the full enjyment of this Grand Concert. The meaſures which had been judiciouſly planned, and which were ſo punctually executed by thoſe who had undertaken that duty, effectually prevented every diſagreeable circumſtance, which otherwiſe, by creating inconvenience and uneaſineſs, might have occurred to mar the entertainment.

Nearly one thouſand tickets were ſold, at two thirds of a dollar each, and the nett proceeds, after deducting for neceſſary expences, have been delivered to the managers of the Pennſylvania Hoſpital, Philadelphia Diſpenſary and Overſeers of the poor, to be applied by them for the uſe of ſaid inſtitutions, and unprovided poor.

The managers and overſeers of theſe charitable eſtabliſhments (who were not concerned in conducting the concert) as well wiſhers to humanity, return their ſincere thanks to every perſon who had any ſhare in this act of benevolence;---to the Truſtees of the Muſical inſtitution, who laid the foundations of this benefaction, and eſtabliſhed ſo uniform a ſyſtem, as carried on the face of it a full conviction of the practicability of what was intended;---to Mr. Adgate and Mr. Juhan, whoſe abilities enabled them to foreſee and provide againſt every difficulty, and to move this complicated machinery, as though it had been one entire piece, either in ſolemn and majeſtic dignity, or quick and animating meaſure, ſo as to produce in the reſult, ſuch ideas of admiration and ſublimity as nothing but itſelf could excite;---to the Ladies and Gentlemen in general, who, as performers, volunteered in the ſervice, riſing thereby, ſuperior to all local prejudices, and ſhowing how eaſy it is to diſtinguiſh between an action that is truly commendable and the contrary;---to the Pupils of the Muſical Inſtitution, who have given ſuch an inconteſtible proof of their proficiency in this pleaſing art;---to the Managers of the Concert, who have ſhewn, by example, how eaſy it is to conduct an exhibition of this kind with perfect order and decency;--- and particularly to the Reformed German Congregation, who with ſuch prompt chearfulneſs and perfect unanimity, lent their church, in the Cauſe of Humanity.

The American ſhip Commerce, Captain Edmund Wingate, from Newbury-port to Cadiz, was loſt the 6th March on that coaſt, in a gale of wind, in which ſeveral other veſſels experienced the ſame fate.

Tueſday laſt arrived here the ſhip Tereſa, Captain Papley, after a ſhort paſſage from Liſbon. By this veſſel we learn, that there were no Alegrine or other hoſtile cruiſers on the coaſt of Portugal when ſhe ſailed. Two frigates of that nation were conſtantly out for the protection of their trade.

*Extract of a letter from Shelburne, May 11.*

"On Thurſday laſt arrived the ſloop Peggy, Captain Ketchum, in 67 days from Montego Bay, Jamaica. On his paſſage, the 29th ult. Capt. Ketchum fell in with the wreck of a ſloop totally deſerted, without either rudder or maſt, and with the upper ſtreak of her waiſt ſtove in. She appeared to be American built, was deep waiſted, had her ſides painted red and her quarters green, with yellow mouldings; and had no knee under her bowſprit."

The ſhip Harmony, Captain Willett, will ſail this week for London.

---

Eaſton, May 22, 1786.

BY virtue of a writ of Venditioni Exponas to me directed, will be expoſed to public ſale, at the Court-houſe, in the town of Eaſton, on Tueſday, the 20th day of June next, at ten o'clock in the forenoon, a certain Tract of Land, ſituate in Plainfield townſhip; bounded by land of Jacob Rath, Jacob Titus, and others, containing 200 acres, more or leſs, whereof about 60 acres are cleared, with a quantity of good meadow, and more may be made, with a dwelling-houſe and other out-houſes; late the property of Gideon Ritchie; ſeized and taken in execution, and to be ſold, by ¶ PETER EALER, Sheriff.

---

BROKE into the encloſure of the ſubſcriber, on the night of the 15th inſtant, in Lower Merion townſhip, Montgomery county, on Lancaſter road, about 7 miles from Philadelphia, a young large black HORSE, about 16 hands high; the owner is deſired to come, prove property, pay charges, and take him away, otherwiſe he will be ſold according to law.

May 25, 1786. §. ANTHONY TUNIS.

## PHILADELPHIA.

*Extract of a letter from Madrid, dated 14th of March last, received by a house of indubitable credit in New-York.*

"We lately had here the American negociator Mr. Lamb, and his Secretary Mr. Randall, who it is said came to procure the King's protection towards entering into a negociation for peace in behalf of the United States of America with the regency of Algiers: his Majesty generously ordered his Minister to grant this favour, and they were accordingly furnished with proper letters and recommendations to the Compt D'Espilli, who is charged with the affairs of this kingdom there. They were also provided with letters for the Captain-General of Barcelona, with orders to assist them in procuring a proper vessel to convey them to Algiers, and a permission to export money free of duties. We just hear that every thing has been complied with at Barcelona, to their utmost satisfaction, and that they had sailed for their destination.

"Mr. Barclay, the American consul of France, and Col. Franks, are also just arrived in this city, and it is reported, they come to request the King's mediation for a peace with the Emperor of Morocco. They have already been introduced to the Compt de Florida Blanca, who gave them the most friendly reception, and whereas his Majesty has of late given so many proofs of his generous benevolence towards the American sufferers in Barbary, and the Emperor is particularly attached to our Sovereign, it is expected they will meet with success, however, in the mean time we learn the Algerines are already come out, and many vessels were preparing, with a view to cruise in latitudes much beyond what people could imagine, being encouraged by foreign navigators. After a long suspense of three years without sending an Ambassador to the court of London, notwithstanding the Earl of Chesterfield set off for this city early in 1784, with the same character, we find by this day's Gazette, that his Majesty has named the Count Fernan Nunes to that embassy, who, it is said, is to proceed immediately. This Nobleman, whose talents and abilities are well known, is one of our first grandees, and has been many years Ambassador in Portugal, so that it is imagined some of the most important matters are on hand between the two courts. Don Francisco Monino, brother to Count Florida Blanca, is to succeed in the embassy of Lisbon, and Don Simon Casas to that at Venice, which Mr. Monino occupied."

*Extracts of letters from the Western Country, to his Excellency the Governor of Virginia, dated Lincoln county, April 18th and 19th, 1786.*

"The Indians have been very troublesome this spring, and of late have invaded the county of Jefferson, and are almost every day committing depredations there. Our spirited, generous hearted friend, Colonel William Christian, and a Captain Kellar, have lately fallen a sacrifice to their barbarity; and it is to be feared, if measures are not speedily pursued for the support and defence of that part, the country will break up, and of course the people be greatly distressed. The Indians that invade Jefferson live on the Wabash, and not more than 150 miles from the Ohio, and might be attacked with success. We are not troubled with the Wabash Indians; but the Chicamagies, a part of whom have lately settled over the Ohio, on a creek called Point-Creek; they are said to be about 70 warriors, who have stolen almost all the horses from Limestone and Licking settlements. Those on the Tenasee disturb our eastern and southern frontiers, and about ten days since have killed Colonel Donnelson, on his way to Cumberland from this county. Several settlements are evacuated in this county, with the loss of different people. There is a compact between the southern and western Indians, and it appears that they intend to cut off this country.

"All the Indians on and about the Wabash are for war; and news is just received that there are several hundreds of them now out at war, which is highly probable from the circumstance of their being at this time in almost every part of our western and southern frontiers. They had been frequently on Beargrass; and Colonel Christian, in order to induce others to go in pursuit of them, has upon every occasion gone himself;----and last week he, with about twenty men, crossed the Ohio and overtook three Indians, whom they killed; but his men not rushing upon them altogether as he had ordered, he, with three others only, came up with them. It is remarkable there were only two guns belonging to the Indians, both of which did execution, although one of the Indians was shot thro' with three balls, and was, at the time of firing his gun at Keller, lying on the ground totally disabled in one arm, and unable to rise up."

*From the Carlisle Gazette of May 17.*

We have the pleasure to inform the public, that at the annual meeting of the Board of Trustees of Dickinson College at Carlisle, last week, the Rev. Dr. Charles Nesbit (late of Montrose in Scotland) was unanimously elected Principal of the Institution, with a salary of £250 sterling per annum. At the same time Mr. Robert Johnston was unanimously chosen Professor of the Mathematics; and appointed Tutor in Natural Philosophy.------ Those professions, added to that of the Rev. Dr. Robert Davidson and Mr. James Ross, will nearly compleat every branch of literature taught in the most celebrated seminaries of America or Europe; added to this, the Rev. Mr. Daniel Jones is elected Professor of English and Oratory. He is pleased to take this charge upon him as soon as his health will permit, and in the mean time give all the assistance in his power. A compleat writing-master and arithmetician will immediately be procured.

Yesterday arrived here from Philadelphia, a party of 130 soldiers, commanded by Captain M'Curdy. They are of the Pennsylvania line, and destined to duty at Fort M'Intosh.

*The following extracts of letters were received from a correspondent of veracity at Fort Pitt, by a gentleman in this town.*

(First) April 16, 1786.

"I take the opportunity of informing you of a council we have had here.---Messrs. Allface and Halftown, with their tribe, to the amount of fifty, including women and children, arrived here, and declared they had something of consequence to communicate. Lieutenant Armstrong sent an express for Captain Zeigler, commander at Fort M'Intosh, who arrived, and they immediately held a council, when the Indian chiefs told them that they had been invited to a treaty at Niagara, and refused to go, as they did not put any trust in the English; and expressed a very great friendship for the Americans, their brothers. However, the conclusion was, that they wanted corn, beans, potatoes and hoes, to go on with their spring work, and a little rum to make them merry, which Captain Zeigler granted."

(Second) April 21, 1786.

"Since I wrote you we have received information, that during the time Captain Zeigler was holding the council at this place, mentioned in my former letter, Captain Strong, commanding at Fort M'Intosh, took a walk as far as the foot of the hill, where he descried a party of Indians, who on his approach ran off. He returned to the fort, and observed at a little distance above twenty Indians in arms; they were invited to the fort, but declined coming in. Lieutenant Beatty, with a party, went to discover who they were, and returned without effecting his purpose. The next morning a private observed a fellow viewing our situation---what they intend is mysterious; though their arms and reconnoitering behaviour condemns them."

(Third) April 25, 1786.

"Captain O'Hara, who just arrived from the Miami, informs, that the Indians killed some men at a small station near Fort Finney. The men had gone out to hunt their horses; in consequence of which the hostages had run off; that they had also killed about fifteen people on Bear-grass, and two men and wounded another on the eighteen-mile island. And from the best information he could get, three parties had crossed the Ohio, to go to war; and that Captain Finney is obliged to keep a continual look out, aided by some of the militia. We have heard nothing further from the party that had made their appearance at Fort M'Intosh."

---

## *EXTRACTS from the Minutes of the Second Session of the* TENTH GENERAL ASSEMBLY *of the* COMMONWEALTH *of* PENNSYLVANIA.

[ Continued from our last. ]

*FRIDAY, March 17, 1786. A. M.*

A PETITION from Leonard Nutz was read, setting forth that he became bound with a certain Abraham Pastorius, of the township of Germantown, for the payment of one hundred pounds, to be made by the said Pastorius, unto John Bockius; that the said Abraham, during the late war, was attainted of high treason, and his estate forfeited to this commonwealth; that no demand for payment of the said bond was made until the time limited for filing claims against forfeited estates had expired, when he was compelled to pay the same; that by this concurrence of unfortunate circumstances he is precluded from all remedy of repayment under the present existing laws; therefore praying relief in the premises.

Ordered to lie on the table.

A member presented to the chair transcripts of the taxes and exonerations for the county of Northumberland, for the years 1781, 1782, 1783 and 1784, which were

Ordered to lie on the table.

Petitions from upwards of 2750 inhabitants of the county of Chester were read, remonstrating against a division of the said county, and praying the seat of justice may be removed to the Turk's-Head.

Ordered to lie on the table.

The committee appointed March 10th, on the several petitions for and against a division of the county of Chester, made report, which was read, and

Ordered to lie on the table.

The report of the committee, read March 11th, on the petition of the sugar refiners in and near the city of Philadelphia, was read the second time, and the further consideration thereof postponed.

Agreeably to leave given, a member presented to the chair a bill, entituled "A Supplement to an act, entituled "An Act to establish and incorporate a public school at Germantown, in the county of Philadelphia," which was read the first time, and

Ordered to lie on the table.

The bill, entituled "An Act to extend the benefit of an act, entituled "An Act to give the benefit of trial by jury to the public officers of this state, and to other persons who shall be proceeded against in a summary manner by the Comptroller-General of this state, to such person or persons whose accounts were settled before the publication of the same act," was read the second time, in part debated by paragraphs, and the further consideration thereof postponed until Tuesday next.

The bill, entituled "A Supplement to the act, entituled "An Act to regulate the fisheries in the rivers Delaware and Lehigh, and for the preservation of the fish in the said rivers," was read the third time, in part debated by paragraphs, and the further consideration thereof postponed until Wednesday next.

The bill, entituled "An Act for repealing so much of a law passed in December one thousand seven hundred and eighty, for raising the sum of ninety-three thousand six hundred and forty pounds ten shillings annually, for six years, as relates to the payment of the last four annual taxes therein directed to be laid," was read the third time, debated by paragraphs, and ordered to be engrossed, for the purpose of being enacted into a law.

Agreeably to the order of the day the House resumed the consideration of the bill, entituled "An Act to repeal an act, entituled "An Act to suspend an act of General Assembly of this commonwealth, entituled "A Supplement to an act, entituled "An Act to enable William Clingan, Thomas Bull, John Kinkaid, Roger Kirk, John Sellers, John Wilson and Joseph Davis, to build a new Court-house and Prison in the county of Chester, and to sell the old Court-house and Prison in the borough of Chester."

And in debating the following paragraph, viz.

"Be it enacted, and it is hereby enacted, by the representatives of the freemen of the commonwealth of Pennsylvania, in General Assembly met, and by the authority of the same, That the act, entituled "An Act to suspend an act of General Assembly of this commonwealth, entituled "A Supplement to an act, entituled "An Act to enable William Clingan, Thomas Bull, John Kinkaid, Roger Kirk, John Sellers, John Wilson and Joseph Davis, to build a new Court-house and Prison in the county of Chester, and to sell the old Court-house and Prison in the borough of Chester," shall be, and the same is hereby repealed and made void.

On the question---"Will the House adopt the same?---the Yeas and Nays were called by Mr. Dale and Mr. Hannum, and were as follow, viz.

YEAS. W. Will, R. Morris, T. Fitzsimons, G. Clymer, G. Logan, W. Robinson, jun. A. Erwin, S. Foulke, J. Smith, J. Thomas, R. Ralston, J. Moore, J. Hannum, R. Smith, S. Evans, J. Morris, T. Whelen, A. Hubley, A. Lowrey, E. Carpenter, J. Work, A. Scott, W. Parr, H. Miller, D. M'Conaughy, M. Schmyser, P. Gartner, J. Lilly, H. Tyson, D. M'Clellan, A. Eichelberger, F. Watts, J. Creigh, A. Lincoln, H. Spyker, R. Trail, P. Trexler, jun. P. Burkhalter, W. Todd, R. Loller, D. Krouse, D. Bradley. 42.

NAYS. J. Irvine, J. Salter, J. Clark, R. Whitehill, J. Carothers, N. Lutz, P. Kreemer, D. Davis, B. Gehr, T. Mawhorter, R. Brown, G. Woods, J. Piper, F. Antes, S. Dale, J. M'Dowell, J. Edgar, J. Smilie, J. M'Calmont, A. Smith, J. Rhea, P. Richards, S. Wheeler, A. Orth, R. Clark. 25.

So it was determined in the affirmative.

And having fully debated the aforesaid bill by paragraphs,

Ordered, That it be engrossed, for the purpose of being enacted into a law.

The following bills having been brought in engrossed, were severally compared at the table, enacted into laws, and the Speaker directed to sign the same, viz.

An ACT to provide for the payment of the principal and interest of such of the bills, emitted pursuant to resolution of Congress of the eighteenth day of March, one thousand seven hundred and eighty, and an act of the legislature of this state of June the first, one thousand seven hundred and eighty, as shall remain unredeemed on the thirty-first day of December, one thousand seven hundred and eighty-six.

A SUPPLEMENT to an act, entituled "An Act for vesting in the American Philosophical Society, held at Philadelphia, for the promoting useful knowledge, a certain lot of ground, being part of the State-House square."

Adjourned until half past nine o'clock to-morrow, A. M.

*SATURDAY, March 18, 1786. A. M.*

The House met pursuant to adjournment.

A letter from the Honorable the Vice-President of the Supreme Executive Council was presented to the chair, and read, as follows, viz.

IN COUNCIL, *Philadelphia, March 18th*, 1786.

SIR,

I ENCLOSE several papers which Council wish to be laid before the House. The case of John Robert Shaw, late a Corporal in the regiment commanded by Lieutenant Colonel Harmar, is peculiarly hard, and we hope that the relief pro[vided] diers of the late federal army, and the militia of the situation, may be extended to him, and such others corps as belong to this commonwealth, who may ha[ve] bled in public service.

*I am Sir, with great respect,*
*Your obedient and very humble ser[vant]*
CHARLES BIDDLE, Vice-

*Honorable the* SPEAKER *of the General Assembly.*

And the several papers enclosed were also read.

A petition from the Minister, Wardens and Vestrymen [of] United Protestant Episcopal churches of Trinity church, in [Ox]ford, and All-Saints church, in Lower Dublin townships, in the county of Philadelphia, and St. Thomas's church, in Whitemarsh township, in the county of Montgomery, was read, praying to be incorporated.

Ordered to lie on the table.

A petition from divers inhabitants of the county of Northumberland was read, setting forth the many disadvantages they labour under for want of the road leading from Reading to Sunbury being put in good repair, and stating the inability of the inhabitants of that part of the county through which the road passes to keep the same in repair; therefore praying the aid of this House.

Ordered to lie on the table.

The petition of James Montgomery, read yesterday, was read the second time, and committed.

The petition of a number of the inhabitants of the townships of Washington, Antrim, Peters and Montgomery, in the county of Franklin, read March 14th, was read the second time, and committed.

The petition of divers non-resident proprietors of new lands within this commonwealth, read February 28th last, was read the second time, and committed.

The memorial of the committee of the Merchants and Traders of the city of Philadelphia, read yesterday, was read the second time, and committed.

A petition from the religious society of friends, called Free Quakers, in the city of Philadelphia, was read, requesting this House to grant them one of the public lots in the vicinity of the city, for the purpose of interring their dead.

Ordered to lie on the table.

A petition from William Cook, of the county of Northumberland, was read, setting forth, that he hath lost divers certificates for monies placed in the Continental Loan-Office of this state, and praying this House to grant him relief in the premises.

Ordered to lie on the table.

A memorial from divers inhabitants of Pennsylvania was read, setting forth, that the keeping the public road leading from this city to Lancaster, and from thence westward, in good repair, will be of great importance to the inland commerce of this state, and suggesting the propriety of employing criminals in the making and repairing those roads, instead of inflicting other corporal punishments.

Ordered to lie on the table.

[ To be continued. ]

---


# MILL STONES.

FRENCH BURS, of various sizes,
FOR SALE BY
*Jonathan, Rumford & Abijah Dawes,*
At their STORE in Water-street, between Market and Arch-streets. §6w.

# TO BE LETT,

*A convenient three Story Brick House,*
on the south side of Lombard-street, between Front and Second-streets. Enquire of the Printers. §

May 25, 1786.

## To be SOLD at private Sale,

A TRACT of Land, situate in Blockley township, Philadelphia county, containing about 24 acres, part of which is woodland, being late the estate of Lydia Morris, deceased. Any person inclinable to purchase, may know the terms, by applying to the subscribers, or either of them.

ISAAC WARNER, )
¶ NATHAN GIBSON, ) Executors.

ALL Persons indebted to the subscriber for goods purchased at his late Ironmongery Store, are hereby desired to pay the same to Mordecai Lewis, & Co. who he has appointed his attornies on the occasion, and those who have demands on that account, may apply to them for settlement.

Philadelphia, May 26, 1786. GILBERT RODMAN.

Philadelphia, May 25, 1786.

THE present distressful situation of the POOR of the city of Philadelphia, district of Southwark, and townships of the Northern Liberties and Moyamensing, rendering it highly necessary that the *Poor Tax* should be speedily collected, and paid into the Treasury of the Contributors to the Relief and Employment of the Poor; the Overseers of the Poor of the city, district and townships aforesaid, are hereby required to pay the amount of their respective duplicates into said Treasury, and settle their accounts on or before the tenth day of June next. All Overseers who shall neglect or refuse to comply with this requisition will be proceeded against as the law directs.

*By order of the Magistrates of the city and county of Philadelphia,*
HILARY BAKER.

## FIVE POUNDS Reward.

RAN away from the subscriber, living in Talbot county, state of Maryland, about the 20th instant, a Negro Fellow called PETER, the property of Mrs. Henrietta Maria Chamberlaine, of the state and county aforesaid. He is about twenty years old, has a very remarkable mouth, which looks as if it had been scarified, is very fond of drink, has been accustomed to chimney sweeping, and probably will attempt to pass for one: He had on, when he went away, a soldiers coat, of blue and red, his other clothes not known. Whoever will secure him in any goal where the subscriber may get him again, shall have the abve reward, and reasonable charges if brought home, paid by

WILLIAM HAYWARD, jun.

Talbot county, March 26, 1786.

Richland, Bucks-county, May 22, 1786.

WHEREAS Thomas Foulke, late of Richland, in the county of Bucks, deceased, was in his life time Executor of the last will of Jane Owen, of Upper Saucon, Northampton county, widow, deceased, but had not finished the business of the said trust before his decease. The subscriber, Executor of the said Thomas Foulke, hereby gives notice to the heirs and legatees of the said Jane Owen, that he intends applying for an order of Orphans Court to make a final settlement of the estate of the said Jane Owen, and desires the said heirs and legatees, and any others having just demands against the said estate, to apply to him on or before the first day of October next, that their several claims may be adjusted, by EDWARD FOULKE, Executor of Thomas Foulke, deceased. ¶

From

THE
right,
found it pru
to her all h
her. This
for 350 ye
slain, thanld at public Auction, for the payment of the duties,
tunately, unless claimed by the owner or consignee,
but duri
us, an
the Six hundred and five pair Skates.

## at the Custom-House.

Wednesday, the 31st inst. May,
AT TWELVE o'CLOCK,

NE thousand Scythes,
Forty-two dozen and three Cutting-knives,

GThe above GOODS were imported in the ship Bristol, Captain Earl, from Amsterdam, December fifteenth last, packed in five casks, marked G. H. and numbered one to five. ‖

---

Imported, and to be Sold, by

## THOMAS HARPER,

In Second-street, near the New-Market,

COPPER in sheets and bottoms, spelter solder, borax, pig brass, crown glass, 8 by 10, 3d. 10d. and 20d. nails, 10d. and 12d. brads, oznabrigs, sail duck, 7 8 and yard wide Irish linens, 4 and 4½lb. pins, 7-8 and yard wide cotton checks, white flannel, white tammies, London shalloons, calimancoes, pillows, jeans, jeanets, corduroys. Also, gin in cases, Jamaica spirits and St. Kitts rum. ¶

---

Philadelphia, 16th May, 1786.

## Sharp & William Delany, *Druggists*,

Have for SALE on reasonable terms, at their STORE, the corner of Walnut and Second-streets,
A general assortment of

## *DRUGS, Surgeons Instruments, Shop Furniture* and *Patent Medicines*,

just imported in the ship Harmony, from London, and other vessels from Europe: Among which are

Red bark,
Quill ditto,
Camphor,
Glasses magnesia,
Calcined ditto,
Pyrmont water,
Essence of peppermint,
Best Turkey galls,
Verdegris,
Crude tartar,
Elegant silver lancet cases,
Nourses ditto,
Pocket instruments,
Elastic vegetale bottles for the nipples,
Mudges inhalers for different complaints,
Elastic steel trusses, &c.
Phials, pill boxes, &c.

They warrant their medicines, &c. genuine, and of the first quality, and intend keeping up a fresh assortment by the spring and fall vessels. §

---

## COXE & FRAZIER

HAVE FOR SALE,

LIVERPOOL salt and cheese, West-India rum and Jamaica spirits, Muscovado and white clayed sugars, rice, indigo, tobacco, pork.

ALSO---Holland linens, Irish ditto, Irish sheetings, calimancoes, durants, tammies, shalloons, antillons, everlastings, jeans, jeanetts and fustians, royal ribs, sattinets and Dutch cord, corded dimity, Marseilles quilting, huckabacks, clouting diaper, cambricks, flowered, striped and corded muslins, milinary, white chapel needles, mens and boys white and brown thread hose, mens random knit patent silk hose, womens cotton hose, red and white, and blue and white furniture checks, coloured and white threads, nankeens, mens and boys black and white hats, long pipes, German steel, stationary wares, Matthewman's buttons, table knives and forks, cutteaus, Barlow penknives, 10d. nails, sailcloth, cables and cordage. &c. &c. ¶

---

THE CORPORATION for the relief of the WIDOWS and CHILDREN of CLERGY in the COMMUNION of the *Protestant Episcopal Church*, for the States of *New-York*, *New-Jersey* and *Pennsylvania*, are to meet, by *adjournment*, at Philadelphia, on the third Tuesday in June next, (being also the time of meeting of the General Convention of said Church)---And the members of said Corporation are requested to be punctual in their attendance, as business of great importance relating to the *charitable purpose* of the institution will come before them.

The Printers in New-York and New-Jersey are requested to insert this notice in their papers.

May 9th, 1786. WILLIAM SMITH, President.
JOHN MOORE, Secretary.

---

## CALEB ATTMORE, *Hatter*,

In Second-street, near the Church, Philadelphia, hath for Sale, A GOOD assortment of hat linings for fine and felt hats, flat looping, worsted ditto, hat-bands, velvet binding by the dozen or piece, white silk cord, white flat silk looping, white hooks and eyes, bow strings, seal skins, pumice stone, wrapping paper by the ream, blocking and seine twine, copperas by the cask or cwt. logwood, verdigrease, hatters brushes, brass rubbing dishes, Stamper's and Trencher's red leather, glue, country made felt hats by the dozen, &c. ¶

---

Newport, May 13, 1786.

## *To be Let on moderate Terms*,

(And may be entered upon immediately)

THE Tavern lately occupied by Mr. Nathaniel Twining; the house is large and well finished; has four rooms on a floor, a large kitchen, wash-house and smoke-house, two stables, a large shed, and garden, with sundry lots. Any person inclining to rent the same, may know the terms by applying to the subscribers.

JOHN MILLER,
† WILLIAM ROBENSON.

---

## To be SOLD at private Sale.

A VALUABLE Lot of GROUND, with the buildings thereon, situate in the city of Philadelphia, on the east side of Second-street, between Market and Chesnut-streets, late the property of David Hall, silversmith, and Hannah his wife. The lot is 20 feet front on Second-street, and extends backwards towards Front-street, 140 feet; there is a dwelling-house with a large convenient cellar on the front, and a kitchen and two tenements on the back part of the premises. The situation is equal to most in the city for business, and affords sufficient room for a gentleman in private life. A part of the purchase money being paid, the remainder may stand for a considerable time, if most convenient to the purchaser. Enquire of

WILLIAM BALL, or
SAMUEL DUFFIELD.

---

Ridley township, Chester county, April 26, 1786.

WAS taken up trespassing within the subscriber's inclosure, a grey HORSE, about 14 hands high, has neither brand or natural mark, supposed to be 8 years old. The owner is desired to come, prove property, pay charges, and take him away. ¶ THOMAS VERNON.

---

## BOOKS

Sold by THOMAS DOBSON, at the NEW BOOK-STORE, in Second-street, two doors above Chesnut-street.

1. COLLECTIONS and Observations concerning the worship, discipline, and government of the Church of Scotland, By Walter Steuart, of Pardoven. Unto which are added, the Form of Process in the judicatures of the church, &c. &c. &c.
2. Walker's (of Edinburgh) Sermons, 3 vols. with a Character of the Author. By Dr. Blair.
3. Smith's View of the Last Judgment.
4. Lamont's Sermons on the most prevalent Vices.
5. Critical and practical Exposition of the Pentateuch, with notes and dissertations; folio.
6. Cruden's Concordance to the Holy Bible; a new edition; 4to.
7. Atterbury's Sermons and Discourses, 4 vols.
8. Abernethie's Discourses, 2 vols.
9. Religious Correspondence, or the Dispensation of Divine Grace vindicated from the extremities of Libertine and Fanatical Principles, in a series of letters to a lady, 2 vols.
10. Purves's Examination of the Scripture Doctrine, concerning the Trinity, &c. &c. 1 vol.
11. The Benevolence of the Deity, fairly and impartially stated. By Dr. Chauncy, of Boston.
12. Chauncy on Universal Salvation.

Of THOMAS DOBSON, also, may be had---An elegant variety of Family Bibles, Small Bibles, New Testaments, printed on a fine paper; Psalm Books, Dr. Watts's Psalms and Hymns, an excellent assortment of Writing Paper, Blank Books, Ledgers, Journals, Day Books, Copy Books, Cyphering Books, Pencils, Sealing Wax, Wafers, Ink-Powder, Quills, Slates, Slate-Pencils, &c. &c. &c.

---

NOTICE is hereby given, That by virtue of an act of Assembly, passed the 18th day of December. 1780, entitled, *An act to settle and adjust the accounts of the troops of this state in the service of the United States, and for other purposes therein mentioned*; and divers other acts of the Legislature; and, also, pursuant to directions given to the subscribers by the Supreme Executive Council of the state of Pennsylvania, on the fifth day of June next, at 10 o'clock in the forenoon, at the Court-house, in the borough of Lancaster, will begin the sale of the tract of land appropriated for the redemption of the *Depreciation Certificates*, and to continue from day to day until the whole shall be sold.

These lands are situate in the district of Samuel Jones, part of No. 3, adjoining the reserved tract opposite Fort Pitt, and the district of James Cunningham, on the west side of the Allegany, and extending northwardly towards the donation lands. For a more particular description whereof, the public are referred to a general plan which will be fixed up at the place of sale.

These lands, from their proximity to Pittsburgh, fertility of soil, and other advantages, are well worthy the attention of the public. The payments to be made in gold or silver, or in the certificates aforesaid; one half of the consideration to be paid in 5 days from the sale, the other half in 15 days more.---And should any person, having purchased lots, neglect or refuse to comply with these terms, such lots shall be sold again, to the highest bidder, under the direction of Council; and any loss or expence which may incur by such second sale shall be borne by the party so neglecting or refusing to comply with the said terms. The surveyor's fees (and other office fees agreeable to law) to be discharged at the same time the purchase money shall be paid.

JOHN LUKENS, *Surveyor General*.
DAVID KENNEDY, *Secretary Land-Office*,
FRANCIS JOHNSTON, *Receiver General*.

---

## MEDICINAL WATERS,

For Drinking and Bathing, at

## *HARROWGATE*,

Within about 4 miles of Philadelphia, near the Frankford road.

THE Author of Nature having provided the above named spot with three different kinds of MINERAL WATERS, the subscriber has at a considerable expence erected such buildings over them, as will render them fit to be used either internally or externally, according to the diseases of persons who require them.

These waters have been examined by Dr. *Rush* and Dr. *Moyes*.

The first spring contains a quantity of sulphurous, or what those gentlemen called hepatic air, and a small quantity of iron. It is remarkable light, and resembles, both in composition and medicinal qualities, the famous Harrowgate water in England.

The second spring contains a quantity of fixed air, with a small quantity of iron and calcareous earth, and possesses many of the virtues of the Pyrmont water, so well known, and so justly celebrated all over the world.

The third spring is a common chalybeate water, and resembles the Bristol, in this state.

The subscriber submits it to the judgment of the Physicians of the city of Philadelphia, WHEN and in WHAT DISEASES and in WHAT QUANTITIES to recommend the use of these mineral waters. He will only observe, that the Harrowgate water has rendered essential service to persons afflicted with diseases and obstructions of the stomach, bowels and kidneys. It has also removed worms, and relieved the irregular gout and chronic rheumatism. Externally applied, those waters have in many instances cured tetters and other eruptions of the skin.

In the house erected over the Harrowgate waters are two shower baths, and two dressings-rooms, and at the chalybeate spring is a convenient bath for plunging or swimming.

Breakfasts, dinners and lodging may be had at the dwelling-house adjoining the springs; and for the convenience of invalids, a light stage-waggen will set off every morning (Sundays excepted) at six o'clock, after the first of June, till the first of October, from the sign of the Green Tree, in Race-street.

The public may be assured that no expence or trouble shall be spared to render these waters and baths both convenient and useful, by their humble servant, GEORGE ESTERLY.

May 20, 1786.

P. S. For the use of the baths the price will be Four Dollars for the season, Two Dollars for One Month, Five Shillings for one week, and One Shilling for each time the baths are used less than a week. Nothing will be demanded from those people who only drink the waters. The price for each seat in the stage, going and coming, will be Two Shillings and Six Pence.

---

Philadelphia, May 16, 1786.

WAS left at *John Hellings*'s Store in Second, between Race and Vine-streets, about fifteen or eighteen Months ago, a bundle of black *Harness Leather*. The owner, by applying to the subscriber, proving property and paying charges, may have it again. § JOHN HELLINGS.

---

Philadelphia, April 29, 1786.

ALL persons who may have any demands against the estate of BENJAMIN BETTERTON, late of this city deceased, are desired to poduce their accounts, properly attested, for settlement. And all those who are indebted to said estate, by bond, note or book account, are requested to make immediate payment, to

REBECCA BETTERTON, Executrix.
JOSEPH HOWELL, jun. Executor.

---

Philadelphia, May 19, 1786.

BY virtue of a wirit of Venditoni Exponas to me directed, will be exposed to SALE, by public vendue, at the Old Coffee-House, in the city of Philadelphia, on Wednesday, the 31st inst. May, at seven o'clock in the evening, the following Houses and Lots, viz.

No. 1. A compleat well-finished three story brick dwelling-house, and lot of ground on which the same stands, between Vine and Race street, in the city of Philadelphia, lately occupied by Samuel Garrigues, containing about 20 feet and 8 inches in front on Third-street, and 90 feet deep, bounded to the north by Elm-street, to the east by a four feet alley, through which it has a right of passage, to the south by ground of Eleanor Hockley, widow, and to the west by Third-street aforesaid; subject to a ground-rent of fifteen pounds and five shillings per annum.

No. 2. A two story brick messuage, store and lot of ground, 17 feet in front on Third-street, and 66 feet deep on Story-street, bounded to the east by Third-street, to the south by Story-street, to the west by a four feet alley, in which it has a privilege of passing and repassing, and to the north by ground of the heirs of Thomas Hockley, deceased; appurtenant to which is a two story brick dwelling-house and lot of ground, with a brick kitchen, containing in front 15 feet on Story-street, and 51 feet in depth; bounded to the east partly by the ground of the heirs of the late Thomas Hockley, deceased, and partly by the above mentioned four feet alley, to the south by Story-street, to the west by ground of Urban Frebley, and to the north by John Virgil's heirs, and the last described lot of ground; being subject to a ground-rent of seven pounds thirteen shillings and sixpence per annum.

No. 3. One two story brick dwelling-house and lot of ground, on South-street, in the Southern-Liberties, of the city of Philadelphia, containing 1 acre and 170 perches; bounded to the north by South-street, to the east by ground of Edward Shippen, Esq; to the south by ground of John Nixon, Esq; and to the west by ground of Christopher Marshall. Taken in execution, and to be sold as the property of Samuel Garrigues, by

JOSEPH COWPERTHWAIT, Sheriff.

---

Philadelphia, May 19, 1786.

BY virtue of a writ of Venditioni Exponas to me directed, will be exposed to public SALE, at the Old Coffee-House, in the city of Philadelphia, on Saturday, the 3d day of June next, at seven o'clock in the evening, A two story brick messuage and lot of land, situate on the east side of Front-street, from the Delaware, between Pine and Cedar (or South) streets, and opposite to Lombard-street, in the city of Philadelphia, containing in breadth on said Front-street, 17 feet, and in length or depth 61 feet, bounded northward by a public alley or cartway, leading from said Front-street to Penn street, eastward by a lot of land late of Alexander Hall, southward by James Mutter's ground, and westward by Front-street, subject to a yearly ground-rent of 27 18-90ths Spanish milled dollars, in two equal payments, the one in May, the other in September, to Samuel Powell, Esq; Also, a certain yearly ground-rent of 34 Spanish milled dollars, or value thereof in lawful money of Pennsylvania, charged on and issuing out of a lot of land, containing in breadth 17 feet, and in length 66 feet, contiguous to the lot herein before described; bounded westward by the same, southward by ground of Samuel Powell, Esq; eastward by Penn-street, and northward by said public alley. Taken in execution as the property of David Clark, cordwainer, and Mary his wife, and to be sold, by

JOSEPH COWPERTHWAIT, Sheriff.

---

Philadelphia, May 22, 1786.

STRAYED or stolen, from off the commons of this city, on Saturday, the 12th instant, a GREY MARE, 7 years old, about 14 hands high, branded on the near shoulder N. H. her near buttock is much whiter than the other, but not to be discerned but when her tail is up. Any person delivering said mare to the subscriber, shall be reasonably rewarded, and no questions asked; but if stolen, any person delivering said mare and thief, shall have THREE POUNDS reward, and reasonable charges, paid by JONATHAN DAVIS, in Seventh-street, near Race-street. ‡

---

RAN away, last night, from the subscriber, living in Northampton, in the county of Burlington, New-Jersey, an Irish servant man, named PATRICK NOWLER, about 19 or 20 years of age, about 5 feet 6 or 7 inches high, brown complexion, and black hair; had on, and took with him, a new pair of buckskin breeches, two jackets, and one pair of breeches of a lead colour, old shoes with hob nails, yarn stockings, half worn felt hat, and ozenbrigs shirts. Whoever will secure said servant in Philadelphia, or any goal in New-Jersey, so that his master may have him again, shall have FIVE DOLLARS reward, and reasonable charges, paid by

May 20 1786. ¶ CALEB LIPPINCOTT.

---

Easton, May 13, 1786.

BY virtue of writs of Venditioni Exponas to me directed, will be exposed to public sale, at the house of Nicholas Fox, in the town of Northampton, on Friday, the 9th of June next, at 2 o'clock in the afternoon, a certain large two story stone tenement and lot of ground, situate in Northampton town aforesaid; containing in front 60 feet, and in depth 230 feet. Also a certain other tenement and lot of ground, adjoining the above, containing in front 40 feet, and in depth 200 feet; both premises late the property of Henry Shade. Seized and taken in execution, and to be sold by ¶ PETER EALER, Sheriff.

---

Easton, May 13, 1786.

BY virtue of a writ of Venditioni Exponas to me directed, will be exposed to public sale, at the house of Nicholas Fox, in the town of Northampton, on Friday, the 9th day of June next, at 10 o'clock in the forenoon, a certain valuable large tract of LAND, situate in Maccongie township, bounded by land of Andrew Wenner, Jacob Strouse, Jacob Litzenberger and others, containing 600 acres more or less, about 223 acres are deeded, and whereon is erected a grist mill, on a large stream of spring water which never fails, with a large quantity of watered meadow, together with a good dwelling-house, out-houses, &c. late the property of Adam Epler, Seized and taken in execution, and to be sold by ¶ PETER EALER, Sheriff.

---

Lancaster, May 10th, 1786.

BY virtue of two certain precepts under the hand and seal of David Rittenhouse, Esq; sole trustee to the General Loan-Office, of the late Province (now state of Pennsylvania) to me directed, will be exposed to public sale, on Saturday, the 10th of June next, at 10 o'clock in the forenoon, Two certain Plantations and Tracts of Land, adjoining each other, situate and lying in Earl township, containing together about 209 acres; adjoining lands of John Herkenhower, Ludwick Mole, Paul Gehr, Daniel Good, and Philip Sygart. Late the property of John Gehr and George Gehr. Seized and taken in execution, by

‡ JOHN MILLER, Sheriff.

---

## WANTED.

TWO or three lads of good character, about 15 or 16 years of age, as apprentices to the currying business; it would be most agreeable if they could speak the German Language. Enquire of

¶ JONATHAN MEREDITH.

---

*PHILADELPHIA*: Printed by HALL and SELLERS, at the NEW-PRINTING-OFFICE, near the MARKET.